

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

₹.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 891908



विक्रय खिस्त

प्रतिफल के अंशदाता -	₹0 3,44,000/-
बाजार मूल्य -	₹0 2,53,550/-
अध निरी एवं जनरल स्टैम्प -	₹0 34,400/-

- | | | |
|----|------------------|----------------------------|
| 1. | भूमि का प्रकार - | कृषि |
| 2. | परतना - | विनासीर |
| 3. | ग्राम - | बरीय |
| 4. | अवधि का विवरण - | भूमि दाखला संख्या 304 2984 |

उत्तर प्रदेश

25/6

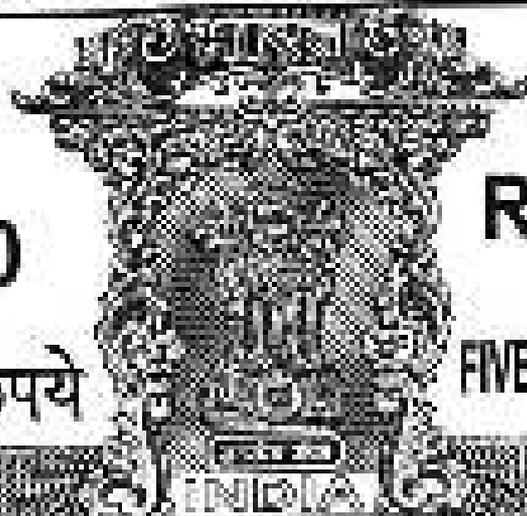
भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

पाँच हजार रुपये

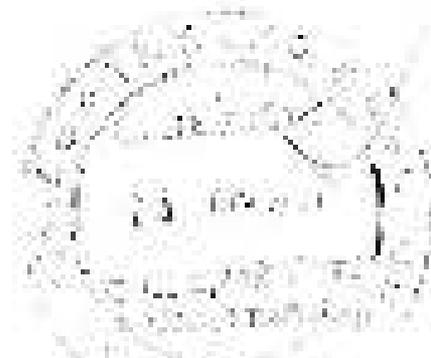
Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES



उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH

A 991906



0.833 हे० व उत्तर प्रदेश का
एक 0.385 हे०, कुल राशि
0.922 हे० का 1/4 भाग अर्थात्
बिबीर एक 0.2305 हे० और
1/4 भाग, पञ्जाब विभाग,
लुधियाना व बिबीर उत्तरप्रदेश।

- 5. मापन की रकम -
- 6. सम्पत्ति का क्षेत्रफल -
- 7. मसुदा की स्थिति -

हस्ताक्षर
0.2305 हेक्टर
मुजफ्फरपुर रोड व उत्तरप्रदेश पत्र से
राशि 200 गीटा से अधिक

मुजफ्फरपुर

दि. 25/5

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

पाँच हजार रुपये

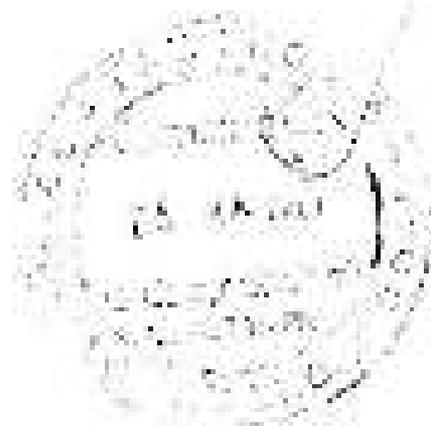
Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES



4 891907

उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH



- 8. लगाने का प्रकार - धूम
- 9. देरों की स्थिति - नहीं
- 10. शीटिंग / दुआ अन्व - दुआ भी नहीं है।

वीरपुरी सभा नं० 804

- उत्तर : सभा नं० 803, 855, 891
- दक्षिण : सभा नं० 805, व चक्रवर्त
- पूरुब : सभा नं० 802
- पश्चिम : सभा नं० 848

वीरपुरी सभा नं० 807

- उत्तर : सभा नं० 797, 798

सुपरीकृत

सुपरीकृत

भारतीय नैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

4 891483



संख्या : 808
पुस्तक : 808
दिनांक : 808

पुस्तक की संख्या

दिनांक की संख्या - 1

पुस्तक का विवरण

केंद्र का विवरण

आयुक्तकान पुत्र कस्तू निवासी-
खरगढ़-खरगढ़, मन्दा-खरगढ़,
पुस्तक विज्ञान तहसील व
विद्या लखनऊ

दीपक पुत्र शिवराम निवासी धर्म
विद्यापुत्र विद्यापीठ 100 नौगढ़, तहसील
व विद्या फतेहपुर

पुस्तक पुस्तक

पुस्तक

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000

पाँच हजार रुपये

Rs.5000

FIVE THOUSAND RUPEES



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 891910



स्वतन्त्र- कृषि

स्वतन्त्र- कृषि

यह निरुद्ध विरोध ओमप्रकाश पुत्र चन्द्र निवासी- स्वतन्त्रखलेड़ा, मजरा चरीना, पणना विधानी तहसील व जिला लखनऊ जिन्हे आगे विवेका कला गया है एतन् चैतन्य पूर मिथाराम निवासी राम मिर्गापुर विहारों गो0 नौगाँव, तहसील व जिला गढ़मपुर जिन्हे आगे देता कर गया है के नष्ट निष्पादित किया गया।

ओमप्रकाश

जिन्हे

भारतीय नैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

रु.5000
पाँच हजार रुपये

Rs.5000
FIVE THOUSAND RUPEES



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 891909



यह कि विवेका भूमे प्रमरा संख्या 804 खण्ड 0.833-89 के
वत्तर संख्या 807 खण्ड 0.089 के, कुल खण्ड 0.922 के का 1/4
भाग अर्थात खंडित खण्ड 0.2305 के स्थित ग्राम- बरील, परगना
खिरीर, तहसील व जिला गवानर के मालिक, श्रीगणेश व कविश है तथा
अपरोक्त संपत्ति मन्वर्षिक खरीदी का संख्या 00274 के अनुसार हुनि
विवेका के नाम संक्रमण भूनिधर के रूप में हत है और विवेका के नाम
का अन्त प्रामद गवस्य अधिकारों में है गया है। विवेका को पैले की
एक आवश्यकता के कारण विवेका अपना मन्वर्ष जिला केला को एक

अधिकार के रूप में

दिनांक

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
रु.1000



ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 191792



दिये विवेक द्वारा विदित कर रहा है कि विदित उपरोक्त एक हजार रुपये के
मालिक, कर्जदार व कर्जदार है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि
है और उक्त भूमि राजस्व भूमि का हिस्सा नहीं है। यह कि विदित यह
जोका करता है कि उपरोक्त कर्जदार भूमि राजस्व प्रकार के भागी है मुक्त
एवं एक व राफ है तथा विदित ने उसे इस विषय के पूर्व कभी न
लिखा, लिखा या अनुमोदित हस्ताक्षर नहीं किया है। विदित ने उक्त भूमि
पर कृषि कर्ज या अन्य प्रकार का कोई कर्ज नहीं लिया है। यदि कोई ऐसा
कर्ज भविष्य में निकलता है तो उसके जिम्मेदार विदित व उसके परिचित

उत्तर प्रदेश

19/12/20

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
रु.1000



ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

E 191793



-8-

य विधिक उत्तराधिकारी होने उपरान्त भूमि या इस्का कोई भाग किसी
व्यापार या सार्वजनिक कार्यवाही के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है,
न ही कुछ इत्यादि है। विदेश के अलावा उत्तर भूमि में किसी अन्य व्यक्ती
का स्वाम, हक या हवा इत्यादि नहीं है। एक विदेश को उत्तर विषय
अन्तर्गत करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त स्मृति में
एतदन्तर्गत कुल विषय मूल्य रू० 3,44,000/- के प्रतिफल में निम्न
उपर्युक्त कृत उत्तर विदेशों की इस विदेश के अन्त में ही गई अनुसूची में
बर्तित विधि के अनुसार सुरक्षा कर दिया गया है एवं लिखित प्राप्ति की

उत्तर प्रदेश

4/1/20

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
रु.1000



ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

C 191794



विद्येता यहाँ लौकर करते हैं, तदनुसार तका विद्येता उल्ल वेता के अन्त
उपरोक्त वर्णित युग, निम्नलिखित रूप ह्या विद्येता विवेक से अन्त में
अनुसूची से अन्तर्गत दिया गया है, जो कोई वेता दिया है, एवं विद्येता ने
विद्येताशुद्ध सुमि नम नीके नर शक्य वेता को चपूवी दम दिया गया है।
अथ तथा आशानी पर विद्येता तथा उसके परिचित का कोई अविद्या
नहीं है। विद्येता ने विद्येताशुद्ध सम्पत्ति को अपने समिध के समस्त
अविद्येता के साथ पुनःमा व होला दे ताए वेता को हस्तांतरित कर
दिया है। अथ केन विद्येताशुद्ध सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने

उत्तर प्रदेश सरकार

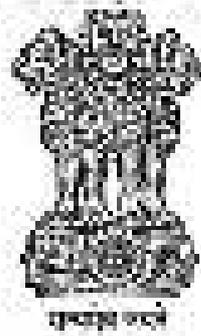
वी. २३

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 902105



सम्पत्ति से ज़ीरो ब्याज पर धन उधार लेने की सुविधा के अन्तर्गत
गारिमान एवं व सहाय के रूप में

यह कि विदेशी धन भी नोडिया करता है कि उस धन के अन्तर्गत
विदेशी धन के अन्तर्गत तथा उधार आवास एवं विकास परियोजना,
राष्ट्रिय तथा अन्य किन्हीं भी सरकारी अथवा गैर सरकारी सेवाओं अथवा
अविश्वसनीय नहीं हो गये के अन्तर्गत ही प्रत्यापित है ।

ओमप्रकाश

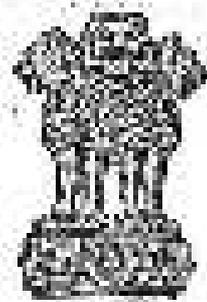
दीर्घ

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



सत्यमेव जयते

ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 902136



- 12 -

यह कि ईसा विकल्पदा संपत्ति को दंडित धर्मि राजस्य अभिलेखों में अर्जित नाम दर्ज कर्य तं तं विकेतापर को कोई अपाति न लेगी और यह कि इन विकल्प धलेख के गुणों का अगर कोई बयल्य किलो जस्य का भार इन संपत्ति पर लेग तो एकरो विरुद्ध भूतलन न कलन करेग, धिरेता को कोई अपाति न लेगी।

यह कि उपरोक्त अलरा नम्बर प्राण दर्ता अपनारीय धरु के सामान्य अम के अर्जित जाता है इतलिए निर्धामित सर्वहित यह रु।

पुणे ज. लडाश

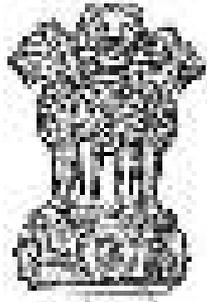
के.के.

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100



ONE HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTIAR PRADESH



- 13 -

11,00,000/- में एग्रेअर एरिअर से किराया भूमि 0.2506 हेक्टेयर
की मालिकता रु. 2,53,350/- लेती है तथा निम्न मूल्य भूमि की
व्यक्ति मूल्य है अधिक है इसलिए नियमनुसार निम्न मूल्य पर ही रु.
34,400/- केवल स्टाम्प अर्थ निदा जा रहा है यह कि उपरोक्त
विशेष भूमि भूमि के उपयोग के लिए स्वयं की जा रही है, भूमि में कोई
पेट डायरि नहीं है तथा किसी प्रकार की सामाजिक विविधता नहीं
जा रही है व कोई मतलब, मुआमी नहीं है, तथा 200 मीटर के
अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है किन्तु भूमि किराया रिक मांग, शरणार्थ

उपरोक्त पुस्तक 95

कोर्ट

भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 902104



यह न्यायिक मार्ग पर लिखित नहीं है। लिखित प्रति सुल्तानपुर सेक्रेटरी व अन्य शक्ति पद से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर लिखित है। विवेकता एवं कौशल दोनों अनुसूचित व्यक्ति को सम्बन्धित है। इस लिखित प्रतिलिपि के विफलता या अन्याय व्यवस्था द्वारा कानून बनाया गया है।

लिखित यह लिखित पत्र लिखित से कौशल के पत्र में लिखित प्रति लिखित प्रतिलिपि और आवश्यकता पड़ने पर कानून आये।

दीर्घ

अभिप्रेत

परिशेष: सुहास विवरण

1. विदेता को रकम 3,44,000/- द्वारा बैंक सञ्जा- 589582
विगतित 28.06.2007 पत्राव रोमनल बैंक, उज्जयिनत लखनऊ
केल से लल हुल।

इत लखर केकेल से कुल विषय कुल 3,44,000/- लिख्य तीन
लल लीगलिल ललर मल, केल से लल हुल लिखी ललिल विदेत
ललिलर करतल है लल लल विदेतल ली केतल से कुल ली लेन लीन नली
है।

उमेश कुलर

लखनऊ

लललक : 28.06.2007

लललः केल ली ललखन ली

Ujjain State Bank
3/0 3/4 6 2 2007
2007 4 1 35
1/10

विदेतल

विदेतल

2. विदेतल ली ललखन ली

लललल ललललल ललल ली लललललल

28/6/07 लललललल लललललल

विदेतल
विदेतल

लललल ली ललखनऊ

केल

विदेतल

(विदेतल कुलर ललल)
लललललल

विषय सूची

1. प्रस्तावना 254, 255 पृष्ठ

2. परिचय 256 पृष्ठ

3. विवरण 257-263 पृष्ठ

4. निष्कर्ष 264 पृष्ठ
5. अनुसूची 265 पृष्ठ
6. सारांश 266 पृष्ठ
7. अर्थात् 267 पृष्ठ

8. अर्थात् 268 पृष्ठ



9. अर्थात् 269 पृष्ठ
10. अर्थात् 270 पृष्ठ

11. अर्थात् 271 पृष्ठ

12. अर्थात् 272 पृष्ठ

13. अर्थात् 273 पृष्ठ

14. अर्थात् 274 पृष्ठ
15. अर्थात् 275 पृष्ठ
16. अर्थात् 276 पृष्ठ

17. अर्थात् 277 पृष्ठ



18. अर्थात् 278 पृष्ठ
19. अर्थात् 279 पृष्ठ
20. अर्थात् 280 पृष्ठ

21. अर्थात् 281 पृष्ठ



22. अर्थात् 282 पृष्ठ
23. अर्थात् 283 पृष्ठ
24. अर्थात् 284 पृष्ठ

25. अर्थात् 285 पृष्ठ



26. अर्थात् 286 पृष्ठ
27. अर्थात् 287 पृष्ठ
28. अर्थात् 288 पृष्ठ
29. अर्थात् 289 पृष्ठ

30. अर्थात् 290 पृष्ठ



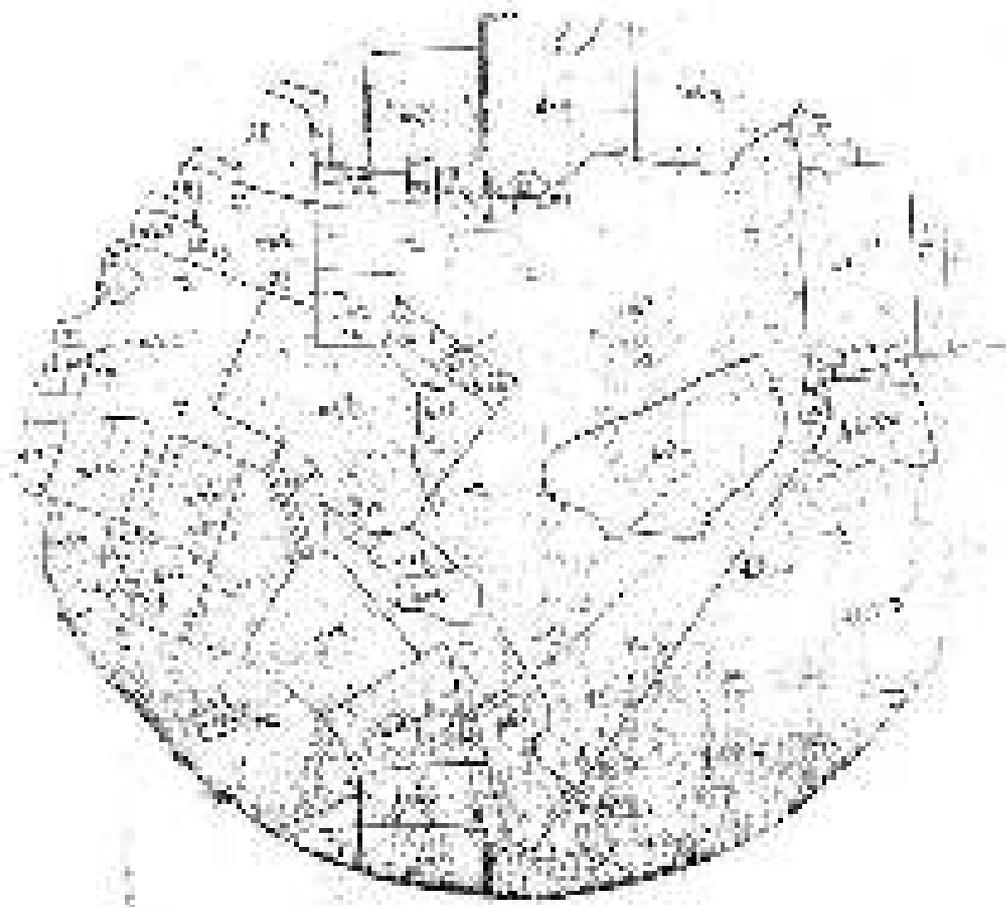
31. अर्थात् 291 पृष्ठ

32. अर्थात् 292 पृष्ठ

33. अर्थात् 293 पृष्ठ
34. अर्थात् 294 पृष्ठ
35. अर्थात् 295 पृष्ठ

No. 00/

M. J. ...



...

...

...

...

...

...

पिढा
पिढा

Registration No 5000

Year 2007

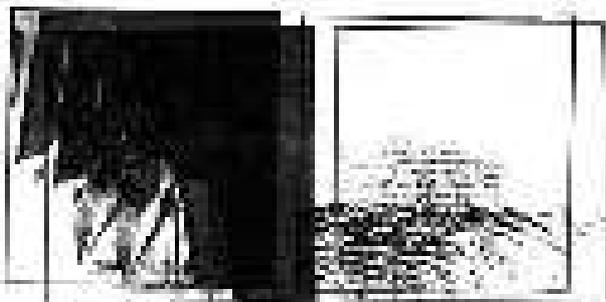
Date 11/06/12

Registration No 1213

DID1

DID1

पिढा
पिढा
पिढा



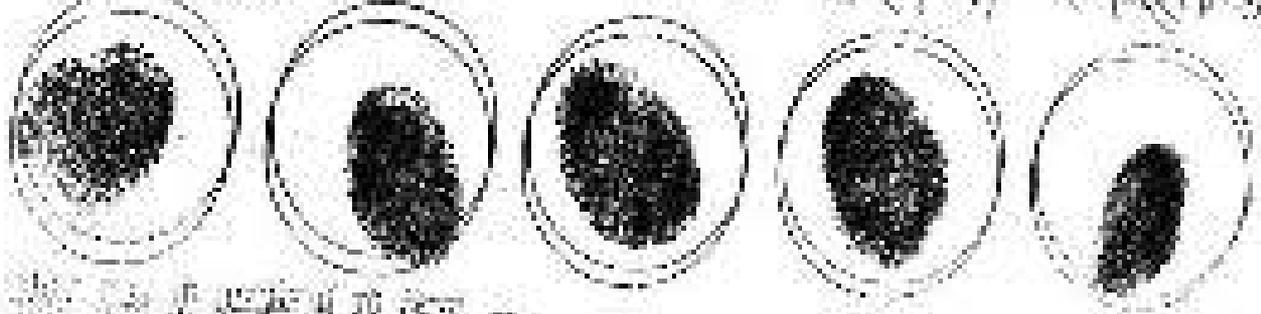
रिजल्टेशन क्रमिक 1998 की काल - 32 50 को अनुसंधान से

विशेष विवरण : नाम न मिला

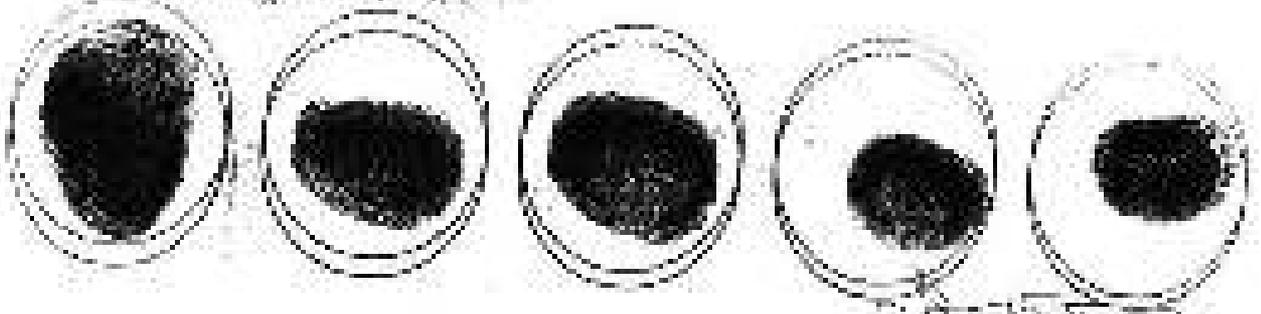
विशेष विवरण

काल 32 को अनुसंधान से

विशेष विवरण : 32 50 को अनुसंधान से



काल 32 को अनुसंधान से



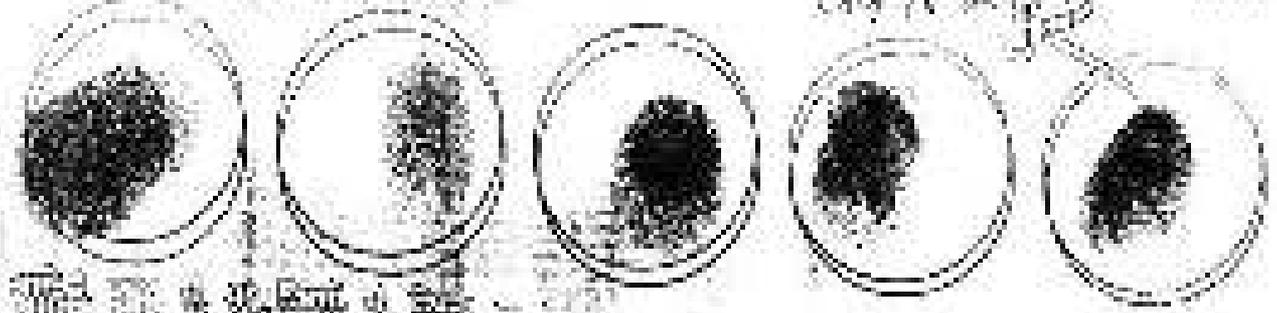
काल 32 को अनुसंधान से

विशेष विवरण : नाम न मिला

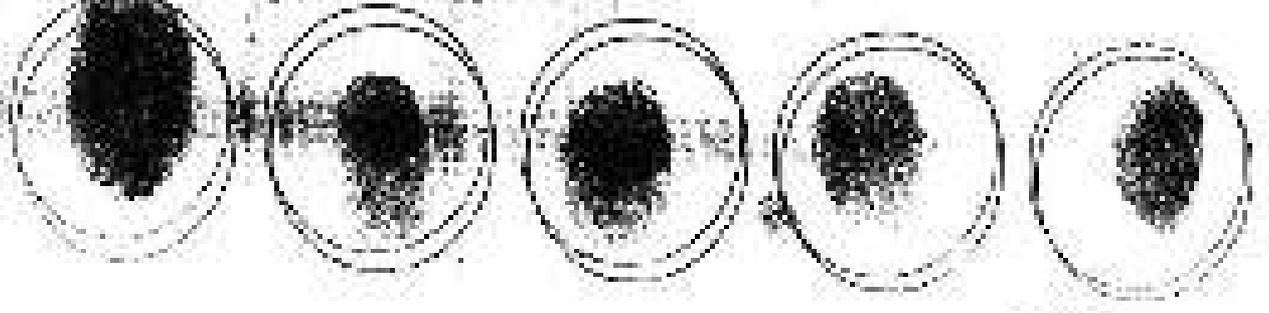
विशेष विवरण : नाम न मिला

काल 32 को अनुसंधान से

काल 32 को अनुसंधान से



काल 32 को अनुसंधान से



काल 32 को अनुसंधान से

विशेष विवरण : नाम न मिला

2077

Registration No. 5010

Name

2077

Serial No.

1

1001: office
Serial
Registration No. 5010
1001



अनुसंधान संख्या 2888/2007 ले

वर्ग सं 1 दिनांक 8/3/07

पृष्ठ सं 139 ते 172 या क्रमांक 6210

अनुसंधान विभाग, मुंबई

डॉ. व. सुबसा

ज्येष्ठ निदेशक (अनुसंधान)

मुंबई

2888/2007